केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रारंभ

रविवार, ५ मार्च, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३६)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३०)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
	विभाग-३, कुल गुण (३४)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रारंभ

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप लोग क्यों चिन्ता करते थे?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''तब तक मैं दूध लेकर आती हूँ।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''मैंने और सुवासिनी ने अभी जाकर सबकुछ देखा है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ४		नाम

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. सुवासिनी भाभी ने घनश्याम को क्या खाना देने के लिए कहा? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

२. भक्तिमाता ने क्या पहनाकर घनश्याम को खेत में भेजा? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

३. धर्मदेव किस किस को लेकर गौरी गाय की खोज के लिए निकल पड़े? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

४. वेणी ने घनश्याम से क्या पूछा? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **नाई को चमत्कार :** अभी आधा ही मुण्डन हुआ था कि इच्छाराम एकाएक खड़े हो गए। अन्य लोग तो इच्छाराम को भाभी की निकट बैठे देख रहे थे, परंतु मंछा बेचारा उन्हें देख ही नहीं पा रहा था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **मछलियों को जीवित किया :** वह रामप्रताप भैया को पीटने के लिए आगे बढ़ा तो उन्होंने सोचा कि इस पैसेवाले का घमंड तोड़ना चाहिए, और पाप करनेवाले को उसके पापों का दण्ड अवश्य मिलना चाहिए।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **रामदयाल को दर्शन :** वे पलंग के पास जाकर इच्छाराम का दर्शन करने लगे। देखा तो इच्छाराम के पलंग से एक विशिष्ट प्रकार का प्रकाश-पुंज निकल रहा था, जिसके कारण धीरे-धीरे सारा महोल्ला दिव्य तेज़ से भर गया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **लक्ष्मीबाई ने देखा एक चमत्कार :** इधर इच्छाराम अपनी चमत्कारीक शक्ति से माया के बंधनों से मुक्त हो गए और माधव को माया के साथ बांध दिया, और दूसरे रास्ते से वे अपने मंदिर पहुँच गए। किसीको भी इस चमत्कार की खबर नहीं थी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन २. नई बतीसी

१. .....

.....

.....

२. .....

.....

.....

३. .....

.....

.....

४. .....

.....

.....

५. .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. धर्मपिता का देहोत्सर्ग — गुण : २ [ ]

(१) [ ] बावीस अवतारों के दर्शन।

(२) [ ] शरीर को जमनाजल से शुद्ध किया।

(३) [ ] गरीबों और ब्राह्मणों को दान।

(४) [ ] घनश्याम के शरीर से तेज की फुहारे।

२. अभिमान का नाश — गुण : २ [ ]

(१) [ ] बावा मृगाम्बर पर बैठा था।

(२) [ ] इसकी कीमत तो तीन सो रुपये है।

(३) [ ] मृगाम्बर में से मृग प्रकट हो गया।

(४) [ ] आप तो साक्षात् भगवान हैं!

३. घनश्याम की तलाश — गुण : २ [ ]

(१) [ ] देवालयों में।

(२) [ ] नीम के वन में।

(३) [ ] अयोध्या की सींव में।

(४) [ ] यमुना के तीरें।

४. चोर चिपक गए — गुण : २ [ ]

(१) [ ] चीकू का बगीचा।

(२) [ ] सीयाराम को खिलाएँगे।

(३) [ ] ब्राह्मणों के हाथ चिपक गए।

(४) [ ] हे भगवान! हमारी रक्षा करें।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. जहाँ देखो वहाँ घनश्याम की चर्चा होने लगी।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

२. भक्तिमाता दिग्मूढ़ हो गई।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

३. धर्मदेवजी ने छपिया छोड़कर अयोध्या में निवास किया।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप भोजन बनाने क्यों बैठ गए हैं?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''कृपया उन्हें मेरे पास बुलाइए।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''हमारे प्रधानाध्यापक ने बेगुनाह चन्दू को बहुत मारा है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. शास्त्रीजी महाराज ने सबसे पहले कहाँ मंदिर बनवाया और किसकी मूर्ति की स्थापना की? गुण : १

.....

.....

२. केरिया में द्वेषियों ने भगवत्स्वरूपदासजी को क्या कह कर पटक दिया? गुण : १

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम	प्र - ९ गुण - ६		नाम

३. योगीजी महाराज युवकों को कैसा जीवन जीने की प्रेरणा देते थे? गुण : १

.....

.....

४. योगीजी महाराज को ऑपरेशन की आवश्यकता किस ने बताई? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : तपस्वी झीणा भगत

१. सुबह में झीणा भगत को अपने पास बुलाकर आशीर्वाद दिए।

२. दरबार साहब को जब यह मालूम पड़ा की आज झीणा भगत का उपवास है।

३. भोजन ग्रहण कीजिए। काफी आग्रह किया।

४. मुझे शिर में कुछ दर्द है, भोजन करने की तनिक भी इच्छा नहीं है।

५. ठाकुर साहब, सद्‌गुरु कृष्णचरणदास स्वामी के पास जाकर बोले : झीणा भगत से कहीए कि वह भोजन कर लें।

६. सद्‌गुरु कृष्णचरणदास स्वामी अन्नकूट के उत्सव पर मेंगणी पधारे।

७. स्वादिष्ट मिठाई का आकर्षण भी उन्हें उपवास करने से न डिगा सका।

८. दूधपाक और मालपूआ आदि स्वादिष्ट व्यंजन बनाये हैं, इस बात का पता चला तो झीणा भगत ने उपवास का व्रत रख लिया।

९. झीणा भगत के तप और त्याग की भावना से माधवचरणदास स्वामी बहुत प्रसन्न हुए।

१०. सारे साधु सन्त और सभी पार्षद सुबह से शाम तक अन्नकूट के लिए मिठाइयाँ बनाने में लग गए थे।

११. सद्‌गुरु माधवचरणदास स्वामी ने सभी छोटे-बड़े सन्तों को झीणा भगत की तरह तपस्वी और त्यागी बनने का उपदेश दिया।

१२. झीणा भगत तप और उपवास को ज्यादा पसंद करते थे।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. मैं तो सेवक हूँ २. समय का सदुपयोग

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. हरिभक्तों ने योगीजी महाराज को फिर से अफ्रीका पधारने की विनंती की। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

२. योगीजी महाराज ने शास्त्री नारायणस्वरूपदासजी के सर पर हाथ रखा। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. खेत का मालिक झीणा की माँ को कभी डाँटता नहीं था। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. रामानन्द स्वामी ने स्वप्न में गंगा माँ को दर्शन देकर सहजानंद स्वामी के लिए क्या करने को कहा? गुण : १

.....

.....

२. श्रीहरि के दर्शन होने पर जोधा ने क्या किया? गुण : १

.....

.....

३. महाराज को किसकी जरूरत थी? गुण : १

.....

.....

४. ध्यान का मतलब क्या है? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. अखण्डानंद स्वामी गुण : २

(१) [ ] सामने से शेर आया।

(२) [ ] अपने काम के अनुसार ही उनके गुण थे।

(३) [ ] निर्भय होकर आगे बढ़े।

(४) [ ] भगवान तो हमेशा अपने भक्त की चिन्ता रहा करती है।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम	प्र - १४ गुण - ४		नाम

२. वीर भगुजी | गुण : २ | |

(१) [ ] जीवा खाचर रुपये लुटाने तैयार हुए।

(२) [ ] देखने में वामन कद के परंतु साहस अद्‌भुत था।

(३) [ ] अठारह घाव हुए।

(४) [ ] खबड़ भाग खड़ा हुआ था।

३. धुन | गुण : २ | |

(१) [ ] वाल्मीकि आरंभिक जीवन में राजा थे।

(२) [ ] श्रीहरि ने वालिया को सत्संगी बना दिया।

(३) [ ] अजामिल के घर नारदजी पधारे।

(४) [ ] जोबन से राजा के सिपाही तक डरते थे।

४. वजीबाई | गुण : २ | |

(१) [ ] कोळी जाति के।

(२) [ ] साधु के प्रति दुर्भाव नहीं रखना चाहिए।

(३) [ ] रामानंदजी से श्रीहरि के उपासक बने।

(४) [ ] गांजा पीनेवाले की सेवा कभी नहीं करेंगे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. अन्य किसी ..... व्यक्तियों के बीच में हमारा ..... उचित नहीं है। | गुण : १ | |

२. शूरवीर बालभक्त ..... जिले के एक गाँव के ..... का बालक था। | गुण : १ | |

३. सोढी गाँव की बीबी ने ..... के साथ आकर ..... को दातुन की छड़ी अर्पण की। | गुण : १ | |

४. घनश्याम के बड़े भाई का नाम ..... और छोटे भाई का नाम ..... था। | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १५ गुण - ८		नाम

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. श्रीहरि जय जय .....

.....

.....

.....

..... भवभयहारी ॥ गुण : २

२. हम तो हैं स्वामी के .....

.....

.....

.....

.....

..... मौत की परवाह ॥ गुण : २

३. आइये प्रभु! .....

.....

.....

.....

.....

.....आमरस भरी है ॥ गुण : २

४. नित्य नित्य .....

.....

.....

.....

.....

..... सहित तरिहै ॥ गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १६ गुण - ५		नाम

प्र.१६ 'कितनों को मन ....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।**
(पंद्रह पंक्तियाँ) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १७ गुण - ५		नाम

प्र.१७ 'नाथ भक्त' - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।**
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. .....

.....

.....

.....

२. .....

.....

.....

.....

३. .....

.....

.....

.....

४. .....

.....

.....

.....

५. .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें